

प्रेषक,

डी0एस0 गर्बाल,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,

पौड़ी गढवाल।

राजस्व अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 07 जनवरी, 2016

विषय:-जनपद पौड़ी गढवाल के कोटद्वार भावर क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हेतु कुल 12.837 है0 भूमि चिकित्सा शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन को निःशुल्क हस्तांतरित किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-7707/8-एल0ए0सी0/2015-16 दि0-13.08.2015 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल, कोटद्वार भावर क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हेतु ग्राम लक्ष्मपुर, पट्टी हल्दूखाता, तहसील कोटद्वार, जनपद पौड़ी गढवाल के खतौनी खाता सं0-47 के खसरा नं0-162 मध्ये 12.837 है0, श्रेणी-6(1) जलमग्न/नदी भूमि को वित्त अनुभाग-3 के शासनादेश सं0-260/वित्त अनुभाग-3/2002 दि0-15.02.2002 के प्राविधानों के अधीन निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन चिकित्सा शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन को निःशुल्क हस्तान्तरित किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (1) प्रश्नगत भूमि पर निर्माण किये जाने से पूर्व सिंचाई विभाग की अनापत्ति उत्तराखण्ड बाढ़ मैदान परिक्षेत्रण अधिनियम, 2012 में Active Flood Zone की व्यवस्था के अन्तर्गत प्राप्त की जायेगी तथा अवशेष भूमि मेडिकल कॉलेज के भविष्य में संकाय विस्तार हेतु यथासमय नियमानुसार उपयोग में ली जा सकती है, जिसका अनुपालन जिलाधिकारी द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- (2) भूमि पर कोई धार्मिक अथवा ऐतिहासिक महत्व की इमारत न हो।
- (3) जिस परियोजना के लिए भूमि हस्तान्तरित की जा रही है, वह एक अनुमोदित परियोजना हो और उसके लिए शासन से सहमति प्राप्त हो चुकी हो।
- (4) हस्तान्तरित भूमि यदि प्रस्तावित कार्य से भिन्न प्रयोजन के लिए उपयोग की जाये तो उसके लिये मूल विभाग से पुनः अनुमोदन प्राप्त करना होगा।
- (5) यदि भूमि की आवश्यकता न हो या 3 वर्षों तक हस्तान्तरित भूमि प्रस्तावित कार्य के लिए उपयोग में नहीं लायी जाती है तो वह मूल विभाग में स्वतः ही निहित हो जायेगी।
- (6) जिस प्रयोजन हेतु भूमि हस्तान्तरित की जा रही है उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु किसी अन्य व्यक्ति, संस्था, समिति अथवा विभाग आदि को मूल विभाग की सहमति के बिना भूमि हस्तान्तरित नहीं की जायेगी।
- (7) जिस प्रयोजन हेतु भूमि आवंटित की जा रही है उसकी पूर्ति के उपरान्त यदि भूमि अवशेष पड़ी रहती है, तो मूल विभाग को उसे वापस लेने का अधिकार होगा।
- (8) प्रश्नगत भूमि पर वन संरक्षण अधिनियम लागू होने की दशा में भूमि के उपयोग का परिवर्तन गैर वानिकी कार्य हेतु तभी अनुमन्य होगा जब उक्त अधिनियम के अन्तर्गत नियत प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त कर ली जायेगी।

- (9) प्रश्नगत जेड0ए0 भूमि आवंटन के पूर्व जमींदारी विनाश एवं भू-सुधार अधिनियम व धारा-132 व अन्य सुसंगत प्राविधानों का अनुपालन जिलाधिकारी द्वारा सुनिश्चित कि जायेगा।
- (10) इस संबंध में सिविल अपील संख्या-1132/2011(एस0एल0पी0)/(सी) संख्या- 3109/201 श्री जगपाल सिंह एवं अन्य बनाम पंजाब राज्य एवं अन्य तथा सिविल अपील संख्या- 436/2011(एस0एल0पी0)(सी) संख्या-20203/2007 झारखण्ड राज्य एवं अन्य बनाम पाकु जागरण मंच एवं अन्य में मा0 सर्वोच्च न्यायालय के आदेश एवं अन्य संगत निर्देशों का भी अनुपालन जिलाधिकारी द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
- (11) आवंटन की अवधि समाप्त होने अथवा उपरोक्त शर्तों बिन्दु संख्या-01 से 10 में से किसी भी शर्त का उल्लंघन होने की स्थिति में प्रश्नगत भूमि निर्माण सहित राजस्व विभाग में निहित हो जायेगी, जिसके लिए कोई प्रतिकर देय नहीं होगा।

कृपया इस संबंध में नियमानुसार अग्रेत्तर कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए शासनादेश के परिप्रेक्ष्य में जिला स्तर से निर्गत आदेश एवं इस शासनादेश की शर्तों के अनुपालन स्थिति से यथा समय शासन को अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(डी0एस0 गर्ब्याल)
सचिव।

पृ0प0संख्या- 057 /समदिनांकित/2016

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 2- आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 4- निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 5- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(आलोक कुमार सिंह)
अनुसचिव।